Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies
Online ISSN 2278-8808, SJIF 2021 = 7.380,
http://www.srjis.com/issues_data?issueId=210
PEER REVIEWED & REFEREED JOURNAL, MAY-JUNE 2023, VOL- 11/77
https://doi.org/10.5281/zenodo.8099014

कला वर्ग एवं वाणिज्य वर्ग के आधार पर पुरुष एवं महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता का अध्ययन

डॉ वंदना शर्मा

प्राचार्य, राधाबल्लभ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, ग्वालियर (मध्य प्रदेश)

Paper Received On: 21 JUNE 2023

Peer Reviewed On: 30 JUNE 2023

Published On: 01 JULY 2023

Abstract

वर्तमान समय में प्रत्येक व्यक्ति में अनेक आकांक्षाएं, अभिलाषाएं, चाहत, किसी भी चीज को पाने की लालसा जीवन के विभिन्न उद्देश्य होते हैं। जिन्हें वह किसी भी तरह से प्रयत्न करने की कोशिश करता है। अनेक बार प्रयत्न करने के फलस्वरुप सफलता या असफलता प्राप्त होती है। सफलता प्राप्त करने पर तो खुशी होती है परंतु असफलता प्राप्त होने पर जो व्यक्ति संवेगात्मक रूप से परिपक्व होते हैं वे स्वयं को समायोजित कर दोबारा प्रयत्न करने के लिए तत्पर हो जाते हैं जबकि जो व्यक्ति संवेगात्मक रूप से अपरिपक्व होते हैं वे निराशावादी, चिड़चिड़े, क्रोधी, धैर्यहीन, व कभी–कभी आत्महत्या का प्रयास भी कर जाते हैं। अतः आवश्यकता है बी.एड प्रशिक्षणार्थी को शिक्षक अभ्यास कराते समय संवेगात्मक परिपक्वता को उन्नत करने वाली तकनीकियों की जानकारी दी जाए जिससे वह भविष्य में जब विद्यार्थियों को अध्यापन कराएंगे तो वह विद्यार्थी में व्यक्तिगत भिन्नता के आधार पर संवेगात्मक रूप से परिपक्व निर्मित करने में मुख्य भूमिका निभा सकेंगे। साथ ही शोधार्थी का प्रस्तुत शोध के अंतर्गत यह जानने का प्रयास किया कि कला एवं वाणिज्य वर्ग के महिला एवं पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी में संविगात्मक परिपक्वता में कोई भिन्नता है या नहीं। शोधार्थी द्वारा शोध उद्देश्य निर्मित किए गए 1. कला वर्ग के पुरुष एवं महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता का तुलनात्मक अध्ययन करना। 2.वाणिज्य वर्ग के पुरुष एवं महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी की संवेगात्मक परिपक्वता का तुलनात्मक अध्ययन करना। न्यादर्श के रूप में 4 शिक्षा महाविद्यालयों के 400 का चयन किया गया। निष्कर्षस्वरूप पाया गया कि कला वर्ग के परिप्रेक्ष्य में महिला एवं पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी की संवेगात्मक परिपक्वता में सार्थक अंतर है। जबकि वाणिज्य वर्ग के महिला एवं पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी की संवेगात्मक परिपक्वता में सार्थक अंतर नहीं है।

Scholarly Research Journal's is licensed Based on a work at www.srjis.com

प्रस्तावना

संवेग शब्द की उत्पत्ति उत्तेजित रकाब से हुई है। मनोवैज्ञानिक में परिपक्वता से तात्पर्य है उचित व्यवहार के साथ में वातावरण में प्रतिक्रिया करने की योग्यता से है। बी.एड प्रशिक्षणार्थी अपनी डिग्री पूरी करने के बाद में कहीं ना कहीं शिक्षण व्यवसाय या विभिन्न व्यवसाय को चुनते हैं, जिसमें उन्हें विभिन्न समय विभिन्न परिस्थितियों में अनेक चुनौतियों का सामना करना होता है इसलिए इ.मक महाविद्यालय की शिक्षकों को इ.मक प्रशिक्षण आरती को इस तरह मार्गदर्शन दिया जाए जिससे वह भविष्य की अनेक चुनौतियों को उचित प्रकार से सामना कर सके व जिम्मेदार नागरिक बने।

Copyright © 2023, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

संवेग हमारे जीवन को अनेक तरीके से प्रभावित करते हैं यदि कहना यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी संवेग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हमारे व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं। यदि कोई व्यक्ति बहुत खुश, प्रसन्नता पूर्वक धैर्यवान, किसी अन्य व्यक्ति का सम्मान करने वाला, छोटी–छोटी बातों पर उग्र ना होना आदि गुण ज्यादा होते हैं तो वह व्यक्ति खुश मिजाज कहलाता है। जबकि इसके विपरीत व्यक्ति क्रोधी, दूसरों से चिड़ने वाला , जल्दी उग्र होने वाला, धैर्यहीन आदि गुण ज्यादा है तो वह व्यक्ति संवेगात्मक रूप से अपरिपक्व व्यक्ति कहलायेगा। शिक्षा महाविद्यालय में बी.एड प्रशिक्षणार्थी को औपचारिक या अनौपचारिक रूप से उन तकनीकियों को व्यक्तिगत रूप से सिखाया जाता है जिसमें अनुकूलित, समाज में मान्य व्यवहार को विभिन्न चुनौतियों के समय व्यवहार प्रेषित करें। अतः शोधार्थी ने कला वर्ग एवं वाणिज्य वर्ग के आधार पर पुरुष एवं महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता में कोई भिन्नता है या नहीं इस तथ्य को जानने हेतु उक्त शोध समस्या का चयन किया।

समस्या कथन

कला वर्ग एवं वाणिज्य वर्ग के पुरुष एवं महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता का तुलनात्मक अध्ययन।

शोध के उद्देश्य

1.कला वर्ग के पुरुष एवं महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों का तुलनात्मक अध्ययन।

2. वाणिज्य वर्ग पुरुष एवं महिला बीएड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

अध्ययन के चर

स्वतंत्र चर–महिला एवं पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी

परतंत्र कर–संवेगात्मक परिपक्वता

अध्ययन विधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु शोधार्थी द्वारा वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि के अंतर्गत तुलनात्मक विधि का प्रयोग किया गया।

न्यादर्श विधि

प्रस्तुत शोध हेतु शोधार्थी ने सौदेश्य विधि द्वारा शिक्षा महाविद्यालय एवं यादृच्छिकी विधि द्वारा बी.एड प्रशिक्षणार्थी का चयन किया।

न्यादर्श

प्रस्तुत शोध के निमित्त शोधार्थी ने आगरा शहर के 4 शिक्षा महाविद्यालय में से 200 (100 महिला व 100 पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी) का चयन किया।

Copyright © 2023, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

शोध में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत शोध के निमित्त उपकरण के रूप में तारा सबपंथी द्वारा निर्मित संवेगात्मक परिपक्वता मापनी का प्रयोग किया गया।

सांख्यिकी प्रविधियां

प्रस्तुत भोध अध्ययन में प्रदत्तों के सारणीयन एवं निश्कर्श प्राप्त करने हेतु मध्यमान, मानक विचलन, टी–मान का प्रयोग किया गया।

प्रदत्तों के विश्लेषण एवं व्याख्या

1. कला वर्ग के पुरुष एवं महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों का तुलनात्मक अध्ययन।

तालिका क्रमांक 1. कला वर्ग के महिला एवं पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के संबंधी प्राप्तांकों का मध्यमान, प्रमाणिक विचलन, टी–मान एवं सार्थकता स्तर।

क्रं.सं.	वर्ग के प्रकार	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मान	सार्थकता स्तर
कला वर्ग	पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी	100	101.47	19.1	2.98	0.01 सार्थक है।
	महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी	100	110.18	16.9		

तालिका का विश्लेषणात्मक अध्ययन करने पर स्पष्ट हो रहा है कि कला वर्ग के महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता संबंधी प्राप्तांकों का मध्यमान (110.18), प्रमाणिक विचलन मान (16.9) तथा पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता संबंधी प्राप्तांकों का मध्यमान (101.47), प्रमाणिक विचलन मान (19.1) प्राप्त हुआ। दो मध्यमान समूह के मध्य तुलनात्मक अध्ययन करने हेतु टी–मान का प्रयोग किया गया, परिगणित टी–मान 2.98 प्राप्त हुआ जिसका तात्पर्य है कि कला वर्ग के महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी व पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता में 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक अंतर है। इसका कारण यह हो सकता है कि पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं में सहनशीलता, समाज के साथ समायोजन, धैर्यता, स्वयं को विकट परिस्थितियों में नियंत्रित करने की क्षमता, अधिकतर निम्न आर्थिक स्थिति के कारण अधिक परेशानी झेलने के कारण उनमें संवेगात्मक परिपक्वता ज्यादा पाई जाती है। अतः शोध परिकल्पना **''कला वर्ग के परिप्रेक्ष्य में महिला एवं पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी की संवेगात्मक परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नहीं है'' को अस्वीकृत किया जाता है।**

2. **वाणिज्य वर्ग के पुरुष एवं महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के माध्य फलाकों का तुलनात्मक अध्ययन करना।**

Copyright © 2023, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

तालिका क्रमांक 2. वाणिज्य वर्ग के पुरुष एवं महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता के संबंधी प्राप्तांकों का मध्यमान, प्रमाणिक विचलन, टी–मान एवं सार्थकता स्तर।

वर्ग	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–मान	सार्थकता स्तर
वाणिज्य वर्ग	पुरुष बी. एड प्रशिक्षणार्थी	100	118.61	23.56	0.88	0.05 सार्थक नहीं है।
	महिला बी. एड प्रशिक्षणार्थी	100	115.93	18.65		

उपर्युक्त तालिका के निरीक्षण करने पर विदित हो रहा है कि वाणिज्य वर्ग के पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी संवेगात्मक परिपक्वता संबंधी प्राप्तांकों का मध्यमान (116.61), प्रमाणिक विचलन मान (23.56) तथा महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी के संवेगात्मक परिपक्वता संबंधी प्राप्तांकों का मध्यमान (115.93), प्रमाणिक विचलन मान (18.65) प्राप्त हुआ। दोनों समूह के मध्य लगभग 3 इकाइयों का अंतर है। दो मध्यमान समूह के मध्य तुलनात्मक अध्ययन करने हेतु टी–मान का प्रयोग किया गया, परिगणित टी–मान 0.88 प्राप्त हुआ। वाणिज्य वर्ग के पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी व महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी का संवेगात्मक परिपक्वता में 0. 05 सार्थकता स्तर पर असार्थक है। जिसका तात्पर्य है कि संभवतः वाणिज्य वर्ग के पुरुष एवं महिला बी. एड प्रशिक्षणार्थी को लगभग समान वातावरण, सुविधायें प्राप्त होती है जिसके कारण दोनों समूह की संवेगात्मक परिपक्वता समान होती है। अतः शोध परिकल्पना **"वाणिज्य वर्ग के परिप्रेक्ष्य में पुरुष एवं महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी की संवेगात्मक परिपक्वता में कोई सार्थक अंतर नहीं है" को स्वीकृत किया जाता है।**

निष्कर्ष

कला वर्ग के परिप्रेक्ष्य में महिला एवं पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी की संवेगात्मक परिपक्वता में 0.01 सार्थकता स्तर पर सार्थक है। वाणिज्य वर्ग के पुरुष बी.एड प्रशिक्षणार्थी व महिला बी.एड प्रशिक्षणार्थी का संवेगात्मक परिपक्वता में 0.05 सार्थकता स्तर पर असार्थक है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

Hume, D. Emotions and Moods. Organizational Behavior, Page. No 258-297 Handel, Steven. "Classification of Emotions". Retrieved 30 April 2012.2. James, William (1884). "What Is an Emotion?". Mind 9 (34): 188–205.

Kaur, J (2000). "Emotional Maturity in Relation to Environment Factors. M. Ed Dissertation, Department of Education "Punjab University, Chandigarh

Rosa. M.C. and Preethi. C.(2012). "Academic Stress and Emotional Maturity among Higher Secondary School Students of Working and Non-Working Mothers". International Journal of Basic and Advanced Research. Vol. 1(3); pp. 40-43

S.Shilpa,(2012). "Gender Difference among Adolescent in Their Emotional Maturity" retrieved 0n 22 june from 2015.

Upadhyay, Henley & et.al (2020).''A study on emotional maturity in and adolescent group studying at a higher secondary school in western India. "Published by the international journal of Indian psychology 8(4):72-77. Referred on DOI 20215/20804011.

Copyright © 2023, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies

Singh,vinita,(2015). "A study on emotional maturity Of adolescent in relation to certain situational variables". Published by GHG journal of 6th vol. 2 No.2. September 2015. ISSN 2348-9936.

Roy,piyali(2022). "A review on emotional maturity of secondary students published by international general of creative research thoughts (IJCRT) an international open access, peer reviewed, Refreed journal vol.10,issue3. March2022.ISSN:2320-2882.

Singh,vinita,(2015). "A study on emotional maturity Of adolescent in relation to certain situational variables". Published by GHG journal of 6th vol. 2 No.2. September 2015. ISSN 2348-9936.

Cite Your Article as:
Vandana Sharma. (2023). KALA VARG EVUM VANIJYA VARG KE ADHAR PAR PURUSH EVUM MAHILA B.ED. PRSHIKSHNARTHI KE SANVEGATMAK PARIPAKVTA KA ADHYYAN. Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies, 11(77), 1–5. https://doi.org/10.5281/zenodo.8099014

Copyright © 2023, Scholarly Research Journal for Interdisciplinary Studies